Sample paper (2023-24)

कक्षा- 11वीं

Class – 11th

लेखांकन

Accountancy

अधिकतम समय - 3 घंटे अधिकतम अंक: 60

Maximum time – 3 hours. Maximum marks- 60

Roll no. _____

NOTE:

- कृपया सुनिश्चित करें कि इस प्रश्न पत्र में 21 पृष्ठ तथा 30 प्रश्न मुद्रित हैं।
  Please make sure that the question paper consists of 21 pages and 30 questions printed in it.
- प्रश्न पत्र में दाईं ओर दिए गए कोड नंबर को छात्र द्वारा उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ पर लिखा जाना चाहिए।
  The code number on the right side of question paper should be written by the candidate on the front page of the answer sheet.
- किसी प्रश्न का उत्तर देने से पहले उसका क्रमांक लिखना होगा।
  Before answering a question, must write its serial number.
- एक प्रश्न के सभी भागों को एक साथ हल करें।
  Attempt all parts of a question together.
- अपनी उत्तर पुस्तिका में खाली पन्ना/पन्ने न छोड़ें।
  Don't leave blank page/pages in your answer book.
- उत्तर पुस्तिका के अतिरिक्त अन्य कोई शीट नहीं दी जाएगी। अतः आवश्यकतानुसार ही लिखें व लिखे उत्तर को न काटें।
  Except the answer booklet, no extra sheet will be provided. Write to the point and do not strike the written answer.
- परीक्षार्थी अपना रोल नंबर प्रश्न पत्र पर अवश्य लिखें।
  Candidates must write their roll numbers on the question paper.
- कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पहले ये सुनिश्चित कर लें कि प्रश्न पत्र पूर्ण व सही है, परीक्षा

के उपरान्त इस संबंध में कोई भी दावा स्वीकार नहीं किया जाएगा।

Before answering the questions, ensure that you have been supplied the correct and the complete question paper. No complaint in this regard, will be entertained after examination.

सामान्य निर्देश:

1. *इस प्रश्न पत्र में कुल 30 प्रश्न शामिल हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*
2. *प्रश्न संख्या 1 से 15 तक बहुविकल्पीय प्रश्न हैं जिनमें से प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित है।*
3. *प्रश्न संख्या 16-21 तक अति लघु उत्तरीय प्रश्न है, प्रत्येक 2 अंकों के प्रश्न हैं।*
4. *प्रश्न संख्या 22-27 तक लघु उत्तरीय प्रश्न है, प्रत्येक 3 अंकों के प्रश्न हैं।*
5. *प्रश्न संख्या 28, 29 और 30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न है, प्रत्येक 5 अंकों के प्रश्न हैं।*
6. *समग्र रूप से कोई विकल्प नहीं है। हालाँकि, दो अंकों के 2 प्रश्नों में, तीन अंकों के 2 प्रश्नों में और पाँच अंकों के सभी प्रश्नों में एक आ विकल्प प्रदान किया गया है।*

General Instructions:

1. *This question paper comprises of 30 questions in the question paper. All questions are compulsory.*
2. *Question nos. 1 to 15 are very short answer type questions carrying 1 mark each.*

3. Question nos. 16-21 are questions carrying 2 marks each.

4. Question nos. 22-27 are questions carrying 3 marks each.

5. Question nos. 28, 29 and 30 are questions carrying 5 marks each.

6. There is no overall choice. However, an internal choice has been provided in 2 questions of two marks, 2 questions of three marks and questions of Five marks.

1. प्रमाणक तैयार किया जाता है। 1

(अ) नकद प्राप्त और भुगतान के लिए। (स) नकद / उधार बिक्री

(ब) नकद / उधार खरीद (द) उपर्युक्त सभी

Voucher is prepared for

(a) Cash Received and paid (c) Cash/ Credit Sales

(b) Cash / Credit Purchase (d)All of the above

2. निम्न में से कौन सा सही है? 1

(अ) देयताएं = संपत्ति + पूंजी

(ब) संपत्ति = देयताएं- पूंजी

(स) पूंजी = संपत्ति- देयताएं

(द) पूंजी = संपत्ति + देयताएं

Which of the following is correct?

a. Liabilities= Assets +Capital

b. Assets=Liabilities- Capital

c. Capital= Assets- Liabilities

d. Capital= Assets+ Liabilities

3. अर्जित आय है 1

(अ) एक देयता (ब) आगम

(स) एक संपत्ति (द) एक व्यय

Accrued Income is

(a) A Liability (b) Revenue

(c) An Asset (d) An Expense

4. लेखांकन की प्रक्रिया _____ से शुरू होती है और _____ के साथ समाप्त होती है। 1

The Process of Accounting starts with _____ and ends with _____.

5. वास्तविक खाते के अभिलेखन का नियम बताइए। 1

State the Rule of Recording Real Account.

6. अभिकथन (A) : जर्नल को मूल प्रविष्टि की पुस्तकें कहा जाता है। 1

कारण (R) : लेजर को अंतिम प्रविष्टि की पुस्तकें कहा जाता है।

सही विकल्प चुनें

(अ) अभिकथन (A) और कारण (R) सही हैं लेकिन कारण (R) अभिकथन (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(ब) कारण (R) और अभिकथन (A) दोनों सही हैं और कारण (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।

(स) केवल अभिकथन (A) सही है।

(द) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही नहीं हैं।

Assertion(A): Journal is called the books of original entry.

Reason (R): Ledger is called the books of final entry.

Choose the Correct Option

(a) Assertion (A) and Reason (R) are correct but Reason (R) is not the correct explanation of Assertion(A).

(b) Both Reason (R) and Assertion (A) are correct and Reason (R) is the correct explanation of Assertion (A).

(c) Only Assertion (A) is correct.

(d)Both Assertion (A) and Reason (R) are not correct.

7. अभिकथन (A) : व्यवसाय के स्वामियों के व्यक्तिगत लेन-देन को पुस्तकों में दर्ज नहीं किया जाता है। 1

कारण (R): व्यापार इकाई अवधारणा के अनुसार, प्रत्येक व्यावसायिक उद्यम को मालिकों से अलग लेखा इकाई के रूप में माना जाता है।

सही विकल्प चुनें

(अ) अभिकथन (A) और कारण (R) सही हैं लेकिन कारण (R) अभिकथन (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(ब) कारण (R) और अभिकथन (A) दोनों सही हैं और कारण (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।

(सी) केवल अभिकथन (A) सही है।

(द) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही नहीं हैं।

Assertion(A): Personal transactions of the owners of the business are not recorded in the books.

Reason (R): According to the business entity concept, each business enterprise is considered as an accounting unit separate from Owners.

Choose the Correct Option

(a) Assertion (A) and Reason (R) are correct but Reason (R) is not the correct explanation of Assertion(A).

(b) Both Reason (R) and Assertion (A) are correct and Reason (R) is the correct explanation of Assertion (A).

(c) Only Assertion (A) is correct.

(d) Both Assertion (A) and Reason (R) are not correct.

8. अभिकथन (A): उपयोग, समय बीतने और दुर्घटना आदि के कारण मूल्यह्रास एक मूर्त संपत्ति के मूल्य में गिरावट है। 1

कारण (R): मूल्यह्रास सभी अचल संपत्तियों पर लगाया जा सकता है चाहे वे मूर्त या अमूर्त हों।

सही विकल्प चुनें

(अ) अभिकथन (A) और कारण (R) सही हैं लेकिन कारण (R) अभिकथन (अ) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(ब) कारण (R) और अभिकथन (A) दोनों सही हैं और कारण (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।

(स) केवल अभिकथन (A) सही है।

(द) अभिकथन (A) सही नहीं है लेकिन कारण (R) सही है।

Assertion(A): Depreciation is fall in the value of a Tangible Asset because of Usage, Passage of time and Accident etc.

Reason (R): Depreciation can be charged on all fixed assets whether they are Tangible or Intangible. Choose the correct option

(a) Assertion (A) and Reason (R) are correct but Reason (R) is not the correct explanation of Assertion(A).

(b) Both Reason (R) and Assertion (A) are correct and Reason (R) is the correct explanation of Assertion (A).

(c) Only Assertion (A) is correct.

(d) Assertion (A) is not correct but the Reason (R) is correct.

9. क्रय बही में कौन से लेन-देन दर्ज किए जाते हैं? 1

Which transactions are recorded in Purchase Book ?

10. आंतरिक उपयोगकर्ता व्यवसाय इकाई के _____ हैं। 1

Internal Users are the_____of the Business Entity.

11. दो पक्षीय त्रुटियों का उदाहरण दें। 1

Give an Example of Two Sided Errors.

12. _____ देनदारियां हैं जिनका भुगतान एक वर्ष के भीतर किया जाना है। 1

_____ are the Liabilities which are to be paid within a year.

13. सुरेश को मजदूरी के तौर पर 1,000 रुपये का भुगतान डेबिड किया गया 1

(अ) सुरेश खाते। (ब) मजदूरी खाते

(स) व्यक्तिगत खाते (द) पूंजी खाता

Wages paid to Suresh Rs 1,000 will be debited to

(a) Suresh Account (b) Wages Account

(c) Personal Account (d) Capital Account

14 बैंक समाधान विवरण तैयार किया जाता है 1

(अ) रोकड़ बही के शेष से (ब) पास बुक के शेष से

(स) या तो रोकड़ बही के शेष से या फिर पासबुक के शेष से

(द) ना ही रोकड़ बही के शेष से और ना ही पासबुक के शेष से

Bank Reconciliation Statement is Prepared from

(a) Balance of Cash Book (b) Balance of Pass Book

(c) Either Balance of Cash Book or Balance of Pass Book

(d) Neither of Cash Book nor Pass Book.

15. देय वेतन रोकड़ बही के _____ में दिखाई देगा। 1

(अ) रसीद (ब) भुगतान

(स) कॉन्ट्रा प्रविष्टियां। (द) इनमें से कोई नही

Salary due will appear in _____ of Cash Book.

(a) Receipt (b) Payment

(c) Contra Entries (d) None of these.

16. परिभाषित करे: 2

1) माल

2) खर्चा

3) लेनदार

4) आहरण

Define

1. Goods

2. Expenditure

3. Creditors

4. Drawings

17. 'आयोजन' और 'संचय' प्रत्येक के 2 उदाहरण दें। 2

अथवा

'आयोजन' और 'संचय' में कोई दो अंतर लिखिए ।

Give 2 Examples each of 'Provisions' and 'Reserves'.

OR

Give any 2 Differences between Provisions and Reserves

18. निम्नलिखित विवरणों से अंतिम स्टॉक की गणना करें: 2

प्रारंभिक स्टॉक 20,000 रुपये

नकद बिक्री 60,000 रुपये

उधार बिक्री 40,000 रुपये

क्रय 70,000 रुपये

लागत पर सकल लाभ की दर 25%।

Calculate Closing Stock from the following details:

Opening Stock	Rs 20,000
Cash Sales	Rs 60,000
Credit Sales	Rs 40,000

Purchases Rs 70,000

Rate of Gross Profit on cost 25%.

19. निम्नलिखित की व्याख्या करें: 2

(1) रूढ़िवाद अवधारणा (2) भौतिकता अवधारणा

अथवा

निम्नलिखित की व्याख्या करें:

(1) एकरूपता अवधारणा (2) ऐतिहासिक लागत अवधारणा

Explain the following:

(1) Conservatism Concept (2) Materiality Concept

OR

Explain the following:

(1) Consistency Concept (2) Historical Cost Concept

20. दोहरी लेखा प्रणाली की व्याख्या करे । 2

Explain Double Entry System.

21. लेखांकन क्या है? इसके किन्हीं दो उद्देश्यों की व्याख्या कीजिए। 2

What is Accounting? Explain its any 2 Objectives.

22. निम्नलिखित लेन-देनों से लेखांकन समीकरण बनाइएः 3

(1) रवि ने 1,50,000 रु. से व्यवसाय प्रारंभ किया।

(2) 80,000 रुपये नकद और 40,000 रुपये उधार पर माल खरीदा।

(3) 75,000 रुपये का माल 20% लाभ पर बेचा गया। आधा भुगतान नकद में प्राप्त हुआ।

(4) किराए के लिए 2,00 रुपये और वेतन के लिए 4,000 रुपये का भुगतान किया।

(5) 10,000 रुपये की लागत का माल उधार पर 12,000 रुपये में बेचा गया।

(6) पूर्वदत्त बीमा 2,000 रुपये।

Prepare Accounting Equation from the following transactions:

(1) Ravi started business with Cash Rs 1,50,000.

(2) Bought goods for Cash Rs 80,000 and on credit Rs 40,000.

(3) Goods costing Rs 75,000 sold at a profit 20%. Half the payment received in cash.

(4) Paid for Rent Rs 2,00 and for Salaries Rs 4,000.

(5) Goods costing Rs 10,000 sold for Rs 12,000 on credit.

(6) Prepaid Insurance Rs 2,000.

23. निम्नलिखित लेन-देन से जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए: 3

(1) 80,000 रुपये नकद, 40000 रुपये का माल आउट 20000 रुपये के फर्नीचर के साथ व्यवसाय शुरू किया।

(2) 10% की व्यापार छूट पर नंदलाल को सूची मूल्य पर 20,000 रुपये का

माल बेचा।

(3) 10% व्यापारिक छूट और 3% नकद छूट पर सूची मूल्य पर 80000 रुपये का नकद माल बेचा ।

Pass Journal Entries from the following transactions):

(1) Started business with Cash Rs.80,000 : Goods Rs.40,000 and Furniture Rs.20,000.

(2) Sold goods to Nandlal of list price Rs.20,000 at trade discount of 10%.

(3) Sold goods for cash of list price Rs.80,000 at 10% Trade and 3% cash discount.

24. बैंक समाधान विवरण क्या है ? इसका कोई 2 महत्व बताइए। 3

अथवा

निम्नलिखित में से 31-12-2022 को बैंक समाधान विवरण तैयार करें

(1) रोकड़ बही के अनुसार डेबिट शेष 10,000 रु.

(2) करन के पक्ष में जारी किया गया 500 रुपये का चेक भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया।

(3) बैंक में जमा 295 रुपये का चेक अनादरित हो गया।

(4) बैंक में जमा 800 रुपये की राशि पास बुक में 80 रुपये जमा की गई है।

(5) रोकड़ बही के भुगतान पक्ष को 200 रुपये कम किया गया है।

(6) बैंक शुल्क 250 रुपये रोकड़ बही में दर्ज नहीं किया गया।

What is Bank Reconciliation Statement ? State its any 2 Importance.

OR

From the following, Prepare Bank Reconciliation Statement As on 31-12-2022.

(1) Debit balance as per Cash Book Rs 10,000.

(2) Cheque of Rs 500 issued in favour of Karan not presented for payment.

(3) A cheque of Rs 295 deposited in Bank has been dishonoured.

(4) A sum of Rs 800 deposited in the Bank has been credited Rs 80 in Pass Book.

(5) Payment Side Of Cash Book has been undercast by Rs 200.

(6) Bank Charges Rs 250 was not recorded in Cash Book.

25. खाताबही क्या है ? खाताबही के कोई दो लाभ बताइये। 3

What is ledger? State any 2 Advantages of ledger.

26. निम्नलिखित लेन-देन से मेसर्स बंसल इलेक्ट्रॉनिक्स की बिक्री पुस्तिका तैयार करें:

2022 3

01 सितंबर

बिल संख्या 4321 के अनुसार अमित ट्रेडर्स को बेचा गया

20 पॉकेट रेडियो @ 700 रुपये प्रति रेडियो

20 टीवी सेट @ 15,000 रुपये प्रति टीवी

07 सितम्बर

बिल संख्या 4351 के अनुसार हांडा इलेक्ट्रॉनिक्स को बेचा गया

10 मिक्सर जूसर @ 8,000 रुपये प्रति जूसर

10% व्यापारिक छूट के साथ

10 सितम्बर

आहूजा इलेक्ट्रॉनिक्स को नकद बेचा

5 वाशिंग मशीन 11,000 रुपये प्रति वाशिंग मशीन

20 सितम्बर

महेश एंड संस से खरीदे गए

10 एयर कंडीशनर 25,000 रुपये प्रति एयर कंडीशनर

From the following transactions prepare Sales Book of M/S Bansal Electronics

2022

September

01	Sold to Amit Traders as per Bill no. 4321
	20 Pocket Radio @Rs 700 per radio
	20 T.V Sets @ Rs 15,000 per T.V
07	Sold to Handa Electronics as per Bill no. 4351
	10 Mixer Juicer @ Rs 8,000 each
	Less- Trade Discount@10%
10	Sold to Ahuja Electronics for Cash
	5 Washing Machines @ 11,000 each
20	Purchased from Mahesh & Sons

10 Air conditioners @ 25,000 each

27. निम्नलिखित त्रुटियों को सुधारें: 3

(1) मोहित से 4,000 रुपये प्राप्त नकद हुए, जिसको 1,000 रुपये के रूप में महेश के नाम लिखे गए ।

(2) क्रय बही 6,000 रुपये से कम थी।

(3) मशीनरी पर मरम्मत के लिए 1,600 रुपये गलत तरीके से मशीनरी खाते से डेबिट किए गए।

अथवा

व्याख्या करें:

(1) सिद्धांत की त्रुटियां (2) आयोग की त्रुटियां

Rectify the following Errors:

(1) Cash received from Mohit Rs 4,000 was posted to Mahesh as Rs 1,000.

(2) Purchase Book was undercast by Rs 6,000.

(3) Repairs on Machinery Rs 1,600 wrongly debited to Machinery Account.

OR

Explain:

(1) Errors of Principle (2) Errors of Commission

28. 1 अप्रैल 2018 को जेड लिमिटेड ने 1,20,000 रुपये की मशीनरी खरीदी और 30 सितंबर, 2019 को 20,000 रुपये की अतिरिक्त मशीनरी खरीदी।

30 जून, 2020 को एक मूल मशीन (1 अप्रैल, 2018 को खरीदी गई) जिसकी कीमत 5,000 रुपये थी, अप्रचलित पाई गई और उसे 500 रुपये में कबाड़ के रूप में बेच दिया गया। उसी दिन 8,000 रुपये में एक नई मशीन खरीदी गई।

. घटती मूल्य पद्धति के अनुसार 15% वार्षिक आधार पर मूल्यह्रास लगाया जाना है। प्रति वर्ष फर्म द्वारा अपनी लेखा पुस्तके 31 मार्च को बंद की जाती हैं। 3 वर्ष के लिए मशीनरी खाता बनाएं। 5

अथवा

मूल्यह्रास को परिभाषित कीजिए। सीधी रेखा पद्धति और घटती मूल्य पद्धति के बीच कोई चार अंतर स्पष्ट कीजिए।

On 1st April 2018, Z Ltd. Was purchased Machinery for Rs 1,20,000 and on 30th September, 2019 it acquired additional Machinery for Rs 20,000. On 30th June,2020 one of the original Machinery (purchased on 1st April,2018) which had Cost Rs 5,000 was found to have become Obsolete and was sold as scrap for Rs 500. On the Same day a new machine was Purchased for Rs 8,000. Depreciation @15%p.a is to be charged on Written down value method. Books are closed on 31st March every year. Show Machinery Account for 3 years.

OR

Define Depreciation. Explain any 4 differences between Straight line method and Written down value method.

29. निम्नलिखित लेन-देन से दो कॉलम रोकड़ बही तैयार करें: 5

सितंबर 2022

01	हाथ में नकद 7,500 रुपये
	बैंक अधिविकर्ष 3,500 रुपये
03	भुगतान की गई मजदूरी 200 रुपये
05	नकद बिक्री 7,000 रुपये
10	बैंक में नकद जमा किए 4,000 रुपये
20	चेक द्वारा खरीदे गए और भुगतान किए गए माल 2,000 रुपये
25	व्यक्तिगत प्रयोग के लिए बैंक से आहरित 400 रुपये
30	वेतन भुगतान 1,000 रुपये

अथवा

रोकड़ बही क्या है? रोकड़ बही के प्रकारों को समझाइए।

Prepare Double Column Cash Book from the following Transactions:

September 2022

		Rs.
01	Cash in Hand	7,500
	Bank Overdraft	3,500
03	Paid wages	200
05	Cash sales	7,000
10	Cash Deposited into Bank	4,000
20	Goods Purchased and Paid by Cheque	2,000
25	Drew from Bank for personal use	400
30	Salary Paid	1,000

OR

What is Cash Book? Explain the types of Cash Book.

30. लाभ और हानि खाता क्या है? इसके महत्त्व के कोई चार बिन्दु बताइए। 5

What is a Profit and Loss Account? State any 4 Points of its importance.

अथवा OR

निम्नलिखित शेषों से 31 मार्च, 2011 को व्यापारिक खाता और लाभ और हानि खाता और तुलन पत्र तैयार करें।

From the following balances, prepare the trading and profit and loss account and balance sheet as on March 31, 2011.

डेबिट शेष Debit balance	**मूल्य Amount रुपये Rs.**	**क्रेडिट शेष Credit balance**	**मूल्य Amount रुपये Rs.**
आहरण Drawing	6300	पूँजी capital	150000
बैंक में नकद cash at bank	13780	छूट Discount	2980
प्राप्य बिल bill receivable	1860	ऋण Loan	15000
भूमि और भावन Land and building	42580	क्रय वापसी Purchase Return	1450
फर्नीचर Furniture	5130	डूबत ऋणों के लिए संचय Reserve for bad debts	4650

छूट Discount	3960	लेनदार creditor	18670
बैंक शुल्क Bank charges	100		
वेतन salary	6420		
क्रय purchased	199080		
स्टॉक (प्रारम्भिक) stock (opening)	60220		
विक्रय वापसी sales return	1870		
माल भाड़ा carriage	5170		
किराया और कर Rent and Taxes	7680		
सामान्य व्यय general expenses	3630		
प्लांट और मशीन Plant and machinery	31640		
पुस्तक ऋण book debts	82740		
डूबत ऋण bad debts	1250		
बीमा insurance	750		
	474250		**474250**

समायोजन

1. अंतिम स्टॉक रु.70,000

2. अशोध्य और संदिग्ध ऋणों के लिए 10% की दर से एक रिजर्व बनाएं

3. बीमा पूर्वदत्त रु.50

Adjustments

1. Closing Stock Rs.70,000

2. Create a reserve for bad and doubtful debts @ 10% on book debts

3. Insurance Prepaid Rs.50

MARKING SCHEME

CLASS – XI (2023-24)

ACCOUNTANCY (903)

NOTE:- Evaluation is to be done as per instructions provided in the Marking Scheme**.** Marking Scheme should be strictly adhered to and religiously followed. **However, while evaluating answers which are based on latest information or knowledge and/or are innovative, they may be assessed for their correctness otherwise and marks will be awarded to them.**

नोट:- मूल्यांकन**,** अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना है। अंकन योजना का सख्ती से पालन और आदर्श रूप से पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, उत्तरों का मूल्यांकन करते समय जो नवीनतम जानकारी या ज्ञान और/या नवाचार पर आधारित हैं, उनकी शुद्धता के लिए उनका मूल्यांकन किया जा सकता है अन्यथा उन्हें अंक दिए जाएंगे।

Q No.	Questions	Marks

Q No.	Questions	Marks
1.	(d) All of the above. (द) उपर्युक्त सभी	1
2.	(c) Capital = Assets – Liabilities (स) पूँजी= संपत्ति - देयताएं	1
3.	(c) An assets (स) एक सम्पति	1
4.	i. Identifying the transactions. लेन-देन की पहचान ii. Communicating Information सूचनाओं का सम्प्रेषण	½ ½
5.	Debit what comes in and credit what goes out. जो आया डेबिट और जो गया क्रेडिट	1
6.	(a) Assertion (A) and Reason (R) are correct but Reason (R) is not the correct explanation of Assertion (A). (अ) अभिकथन (A) और कारण (R) सही हैं लेकिन कारण (R) अभिकथन (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।	1
7.	(a)Assertion (A) and Reason (R) are correct but Reason (R) is not the correct explanation of Assertion(A).	1

	(अ) अभिकथन (A) और कारण (R) सही हैं लेकिन कारण (R) अभिकथन (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है	
8.	(a) Assertion (A) and Reason (R) are correct but Reason (R) is not the correct explanation of Assertion(A) (अ) अभिकथन (A) और कारण (R) सही हैं लेकिन कारण (R) अभिकथन (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं ह	1
9.	Goods that are purchased for selling in business on credit. व्यापार में बेचने के लिए जो माल उधार खरीदा गया है।	1
10.	Owners / management स्वामी/प्रबंध	1
11.	Purchase of goods debited to Furniture A/c. (any other as per examiner)	1
12.	Current Liabilities चालू दायित्व	1
13.	(b) Wages A/c (ब) मजदूरी खाते	1
14.	(c) Either balance of cashbook or balance of passbook. (स) या तो रोकड़ बही के शेष से या फिर पास बुक के शेष से	1
15.	(d) None of these (द) इसमे से कोई नही	1
16.	i. **Goods:**-The things which are bought and sold by businesses are called goods. Goods may be raw material work in progress of finished goods. In accounting, when goods are purchased it is written as purchases. When goods are sold it is written as sales. माल (Goods) :- वे वस्तुएँ जिन्हें व्यवसायियों द्वारा खरीदा और बेचा जाता है, माल कहलाती हैं। माल, कच्चा माल, निर्माणाधीन माल और तैयार माल के रूप में हो सकता है। लेखांकन में, जब माल खरीदा जाता है तो इसे खरीद के रूप में लिखा जाता है। जब माल बेचा जाता है तो इसे बिक्री के रूप में लिखा जाता है। ii. **Expenditure:**-An expenditure represents a payment with either cash or credit to purchase goods or services. It is recorded at a single point in time (the time of purchase), compared to an expense that is recorded in a period where it has been used up or expired. खर्चा (Expenditure): - एक व्यय वस्तुओं या सेवाओं को खरीदने के लिए नकद या क्रेडिट के साथ भुगतान का प्रतिनिधित्व करता है। यह समय (खरीद के समय) के एक बिंदु पर दर्ज किया गया है, एक व्यय की तुलना में जो उस अवधि में दर्ज किया गया है जहां इसका उपयोग किया गया है या समाप्त हो गया है। iii. **Creditor:**-A creditor is an individual or entity that is owed money. Typically, the creditors of a business are its suppliers, which have provided it with goods and services, and in exchange expect to be paid by an agreed-upon date. Or, the business owes money to a lender, which also expects to be repaid at a later date.	½ mark each

लेनदार: - एक लेनदार एक व्यक्ति या संस्था है जिस पर पैसा बकाया है। आमतौर पर, किसी व्यवसाय के लेनदार उसके आपूर्तिकर्ता होते हैं, जिन्होंने इसे सामान और सेवाएं प्रदान की हैं, और बदले में एक सहमत तिथि तक भुगतान की उम्मीद करते हैं। या, व्यवसाय पर एक ऋणदाता का पैसा बकाया है, जिसे बाद की तारीख में चुकाने की भी उम्मीद है।

iv. **Drawings:**- Drawings refers to the act of withdrawing cash or assets from the company by the owner(s) for personal use.

आहरण:- आहरण निजी उपयोग के लिए मालिक (मालिकों) द्वारा कंपनी से नकद या संपत्ति निकालने के कार्य को संदर्भित करता है।

17. Examples of Provisions:- (any two) 1/2 +1/2

i. Provision for depreciation मूल्यह्रास के लिए प्रावधान
ii. Provision for bad and doubtful debts अशोध्य और संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान
iii. Provision for taxation कराधान के लिये प्रावधान
iv. Provision for discount on debtors देनदारों पर छूट का प्रावधान ½+ ½

Examples of Reserves:- (any two)

i. General reserve सामान्य संचय
ii. Workmen compensation fund कर्मचारी क्षतिपूर्ति कोष
iii. Investment fluctuation fund निवेश उतार-चढ़ाव कोष
iv. Dividend equalization fund लाभांश समकारी निधि

OR 1+1

Difference between Provisions and Reserves:- (any two)

BASIS FOR COMPARISON	**PROVISION**	**RESERVE**
Meaning	The Provision means to provide for a future expected liability.	Reserves means to retain a part of profit for future use.
What is it?	Charge against profit	Appropriation of profit
Provides For	Known liabilities and anticipated losses	Increase in capital employed
Presence of profit	Not necessary	Profit must be present for the creation of reserves, except for some special reserves.
Appearance in Balance Sheet	In case of assets it is shown as a deduction from the concerned	Shown on the liabilities side.

	asset while if it is a provision for liability, it is shown in the liabilities side.	
Compulsion	Yes, as per GAAP	Optional except for some reserves whose creation is obligatory.
Payment of Dividend	Dividend can never be paid out of provisions.	Dividend can be paid out of reserves.
Specific use	Provisions can only be used, for which they are created.	Reserves can be used otherwise.
अर्थ	प्रावधान का मतलब भविष्य की अपेक्षित देयता के लिए इसका निर्माण करना है।	संचय का अर्थ लाभ का एक भाग भविष्य के उपयोग के लिए अपने पास रखना है।
ये क्या है?	लाभो पर प्रभार	लाभ का विनियोग
प्रदान करना	ज्ञात देनदारियां और प्रत्याशित हानियां	नियोजित पूंजी में वृद्धि
लाभ की उपस्थिति	आवश्यक नही	कुछ विशेष संचायो को छोड़कर, अन्य संचयों के निर्माण के लिए लाभ मौजूद होना चाहिए।
चिट्ठे में स्तिथि	संपत्ति के मामले में इसे संबंधित संपत्ति से कटौती के रूप में दिखाया गया है, जबकि यदि यह देयता के लिए प्रावधान है, तो इसे देनदारियों के पक्ष में दिखाया गया है।	देयता पक्ष में दर्शाया जाता है ।
बाध्यता	हाँ, GAAP के अनुसार	कुछ संचयो को छोड़कर जिनका निर्माण अनिवार्य है वैकल्पिक है।
लाभांश भुगतान	लाभांश का भुगतान कभी भी प्रावधानों से नही होता है ।	लाभांश का भुगतान संचय मेवसे किया जा सकता है ।
विशिष्ट प्रयोग		

		प्रावधानों का उपयोग केवल उसके लिए किया जा सकता है, जिसके लिए वे बनाए गए हैं।	सअनय का उपयोग अन्यथा किया जा सकता है।	
18.	Total Sales = Cash Sales + Credit Sales = Rs.60,000 + Rs.40,000 = Rs.1,00,000 Let cost = Rs.100, Gross profit = 25% on cost, Sales = cost + gross profit Sales = Rs.100 + Rs.25 =Rs.125 If sales is 125 then gross profit = 25 If sales is Rs.1,00,000 then gross profit = 25/125 x 1,00,000= Rs.20,000 Cost of Goods Sold = Sales - Gross Profit = Rs.1,00,000 - Rs.20,000 = Rs.80,000 Cost of Goods Sold = Opening Stock + Purchases - Closing Stock So, Closing stock = Opening Stock + Purchases - Cost of Goods Sold = Rs.20,000 + Rs.70,000 - Rs.80,000 = Rs.10,000.			1/2 1/2 1/2 1/2 (Total 2 marks)
19.	I. **Conservatism concept**:- The conservatism concept is a concept in accounting which refers to the idea that expenses and liabilities should be recognised as soon as possible in a situation where there is uncertainty about the possible outcome and in contrast record assets and revenues only when they are assured to be received. रूढ़िवाद की अवधारणा: - रूढ़िवाद की अवधारणा लेखांकन में एक अवधारणा है जो इस विचार को संदर्भित करती है कि व्यय और देनदारियों को जितनी जल्दी हो सके एक ऐसी स्थिति में पहचाना जाना चाहिए जहां संभावित परिणाम के बारे में अनिश्चितता हो और इसके विपरीत रिकॉर्ड संपत्ति और राजस्व केवल जब उन्हें प्राप्त करने का आश्वासन दिया गया है। II. **Materiality concept**:-Materiality concept in accounting refers to the concept that all the material items should be reported properly in the financial statements. Material items are considered as those items whose inclusion or exclusion results in significant changes in the decision making for the users of business information.			1 1

	भौतिकता अवधारणा: - लेखांकन में भौतिकता अवधारणा इस अवधारणा को संदर्भित करती है कि सभी भौतिक वस्तुओं को वित्तीय विवरणों में ठीक से रिपोर्ट किया जाना चाहिए। भौतिक वस्तुओं को उन वस्तुओं के रूप में माना जाता है जिनके समावेश या बहिष्करण के परिणामस्वरूप व्यावसायिक जानकारी के उपयोगकर्ताओं के लिए निर्णय लेने में महत्वपूर्ण परिवर्तन होते हैं। **OR** I. **Consistency concept:-**According to the consistency concept, once a business has decided on a particular method for treating an accounting item, it will treat all similar items in the same way in the future. एकरूपता अवधारणा: - स्थिरता अवधारणा के अनुसार, एक बार जब कोई व्यवसाय किसी लेखांकन मद के उपचार के लिए एक विशेष विधि पर निर्णय लेता है, तो वह भविष्य में सभी समान वस्तुओं को उसी तरह से व्यवहार करेगा। **II. Historical cost**:- The historical cost principle states that a company or business must account for and record all assets at the original cost or purchase price on their balance sheet. No adjustments are made to reflect fluctuations in the market or changes resulting from inflationary fluctuations. ऐतिहासिक लागत: - ऐतिहासिक लागत सिद्धांत बताता है कि एक कंपनी या व्यवसाय को अपनी बैलेंस शीट पर मूल लागत या खरीद मूल्य पर सभी संपत्तियों का लेखा-जोखा रखना चाहिए। बाजार में उतार-चढ़ाव या मुद्रास्फीति के उतार-चढ़ाव के परिणामस्वरूप होने वाले परिवर्तनों को दर्शाने के लिए कोई समायोजन नहीं किया जाता है ।	1 1
20.	The double-entry system of accounting or bookkeeping means that for every business transaction, amounts must be recorded in a minimum of two accounts. The double-entry system also requires that for all transactions, the amounts entered as debits must be equal to the amounts entered as credits. लेखांकन या पुस्तपालन पद्धति की दोहरी लेखा प्रणाली का अर्थ है कि प्रत्येक व्यावसायिक लेनदेन के लिए राशियों को न्यूनतम दो खातों में दर्ज किया जाना चाहिए। दोहरी लेखा प्रणाली के लिए यह भी आवश्यक है कि सभी लेन-देन के लिए, डेबिट के रूप में दर्ज की गई राशि क्रेडिट के रूप में दर्ज की गई राशि के बराबर होनी चाहिए। Example of a Double-Entry System दोहरी लेखा प्रणाली का उदाहरण To illustrate double entry, let's assume that a company borrows Rs.10,000 and a liability account must be increased by Rs.10,000. To increase an asset, a debit entry is required. To increase a liability, a credit entry is required. Hence, the account Cash will be debited for Rs.10,000 and the liability Loans Payable will be credited for Rs.10,000.	2

	दोहरी प्रविष्टि को समझने के लिए, मान लें कि एक कंपनी ने 10,000 रुपये उधार लिए हैं और देयता खाते में 10,000 रुपये की वृद्धि होनी चाहिए। किसी संपत्ति को बढ़ाने के लिए डेबिट प्रविष्टि की आवश्यकता होती है। देयता बढ़ाने के लिए, एक क्रेडिट प्रविष्टि की आवश्यकता होती है। इसलिए, खाते से 10,000 रुपये के लिए नकद डेबिट किया जाएगा और देय देयता ऋण 10,000 रुपये के लिए जमा किया जाएगा।	
21.	Accounting is a process of identifying the events of financial nature, recording them in the journal, classifying in their respective accounts and summarising them in profit and loss account and balance sheet and communicating results to users of such information. Objectives of Accounting:- (any two) 1. Recording business transactions systematically. 2. Determining profit earned or loss incurred. 3. Ascertaining financial position of the firm. 4. Assisting management. लेखांकन वित्तीय प्रकृति की घटनाओं की पहचान करने, उन्हें जर्नल में दर्ज करने, उनके संबंधित खातों में वर्गीकृत करने और उन्हें लाभ और हानि खाते और बैलेंस शीट में सारांशित करने और ऐसी जानकारी के उपयोगकर्ताओं को परिणाम संप्रेषित करने की एक प्रक्रिया है। लेखांकन के उद्देश्य :- (कोई दो) 1. व्यापारिक लेन-देनों का व्यवस्थित ढंग से अभिलेखन करना। 2. अर्जित लाभ या हानि का निर्धारण। 3. फर्म की वित्तीय स्थिति का पता लगाना। 4. सहायक प्रबंधन।	1 1/2 + 1/2

Q.22

(1/2)mark for each transaction).

Accounting Equation

Sr. No.	Transactions	Assets				Liabilities + Capital	
		Cash +	Stock +	Debtors	=	Liabilities +	Capital
1.	Started business with cash	1,50,000			=		1,50,000
2.	New Equation Bought goods for cash and credit	1,50,000 (-) 80,000	0 + 80,000 + 40,000	0	= = =	0 +40,000	1,50,000
3.	New Equation Sold goods at profit & half of the payment received in cash	70,000 +45,000	1,20,000 -75,000	0 +45,000	= =	40,000	1,50,000 +15,000
4.	New Equation Rent & Salaries Paid	1,15,000 (-) 200 (-) 4,000	45,000	45,000	= = =	40,000	1,65,000 (-) 200 (-) 4,000
5.	New Equation Goods sold on credit	1,10,800	45,000 (-) 10,000	45,000 +12,000	=	40,000	1,60,800 +2,000
6.	New Equation Paid insurance	1,10,800 (-) 2,000	35,000	57,000	= =	40,000	1,62,800 (-) 2,000
	Final Equation	1,08,800 +	35,000 +	57,000 +	=	40,000 +	1,60,800

23.

JOURNAL

Date	Particulars	L.F	Debit (Rs.)	Credit (Rs.)	
1.	Cash A/c Dr. Purchase A/c Dr. Furniture A/c Dr. To Capital A/c (Business started with cash, Goods and Furniture)		80,000 40,000 20,000	 1,40,000	1 marks
2.	Nandlal Dr. To Sales A/c (Good sold at trade discount)		18,000	18,000	1 marks
3.	Cash A/c Dr. Discount Allowed A/c Dr. To Sales A/c (Goods for Rs.80,000 sold at 10% trade discount and 3% cash discount)		69,840 2,160	 72,000	1 marks
	TOTAL		2,30,000	2,30,00	

24. Meaning of Bank Reconciliation Statement:- A bank reconciliation statement is a form used to compare internal records of checking account activity to those stated by the bank. It itemizes the deposits, withdrawals, and other activities impacting the checking account for a one-month period. The intent of the statement is to uncover any differences between the Balance of Cash Book and Balance of Pass Book which can then be corrected. — 1 mark

Importance of Bank Reconciliation Statement:- (any two points) — (1+1)

1. The correctness of the balances presented in the pass book and cash book is ensured by the bank reconciliation statement.
2. The bank reconciliation statement ensures that the entries in both books are correct.
3. The bank reconciliation statement aids in the detection and correction of any errors made in both books.
4. The bank reconciliation statement aids in the updating of the cash book by revealing some entries that have yet to be recorded.

बैंक समाधान विवरण का अर्थ:- बैंक समाधान विवरण बैंक द्वारा बताए गए खातों की जांच के आंतरिक रिकॉर्ड की तुलना करने के लिए उपयोग किया जाने वाला एक विवरण है। यह एक महीने की अवधि के लिए खाते को प्रभावित करने वाली जमा, निकासी और अन्य गतिविधियों को सूचीबद्ध करता है। विवरण का इरादा जानकारी के दो सेटों के बीच किसी भी अंतर को उजागर करना है, जिसे ठीक किया जा सकता है।

बैंक समाधान विवरण का महत्व:- (कोई दो बिन्दु)

1. पासबुक और रोकड़ बही में प्रस्तुत शेष राशि की शुद्धता बैंक समाधान विवरण द्वारा सुनिश्चित की जाती है।

2. बैंक समाधान विवरण यह सुनिश्चित करता है कि दोनों पुस्तकों में प्रविष्टियां सही हैं।

3. बैंक समाधान विवरण दोनों पुस्तकों में की गई किसी भी त्रुटि का पता लगाने और उसमें सुधार करने में सहायता करता है।

4. बैंक समाधान विवरण कुछ प्रविष्टियों को प्रकट करके रोकड़ बही को अद्यतन करने में सहायता करता है जिन्हें अभी तक दर्ज नहीं किया गया है।

OR

Sr. No.	Particulars	Plus Items (Rs.)	Minus Items (Rs.)
1.	Debit balance as per Cashbook	10,000	
2.	Cheque issued but not presented for payment	500	
3.	Cheque deposited but dishonoured		295
4.	Less amount credited in passbook		720
5.	Under casting of withdrawal column of cashbook		200
6.	Bank Charges not recorded in cash book		250
	Balance as per Passbook	9035	
		10,500	**1,465**

½ ×6

25. A ledger, also known as the second book of entry, is a record-keeping system that records all of a company's classified financial data. Transactions are recorded in the ledger in different accounts as debits and credits.

1 mark

The advantages of a ledger are as follows: (any two)

(1+1)

1. It collects information.
2. It shows the financial position at any given point in time.
3. It helps in maintaining classified accounts.
4. Helps in preparing a trial balance.
5. It provides statistical data.
6. It determines the result of each account

खाताबही, जिसे प्रविष्टि की दूसरी पुस्तक के रूप में भी जाना जाता है, एक आभलेख रखने की प्रणाली है, जो कंपनी के सभी वर्गीकृत वित्तीय डेटा को रिकॉर्ड करता है। लेन-देन खाताबही में डेबिट और क्रेडिट के रूप में विभिन्न खातों में दर्ज किए जाते हैं।

खाता बही के लाभ इस प्रकार हैं: (कोई दो)

1. यह जानकारी एकत्र करता है।
2. यह किसी भी समय पर वित्तीय स्थिति को दर्शाता है।

3. यह वर्गीकृत खातों को बनाए रखने में मदद करता है।

4. तलपट तैयार करने में मदद करता है।

5. यह सांख्यिकीय डेटा प्रदान करता है।

6. यह प्रत्येक खाते का परिणाम निर्धारित करता है।

26.

SALES BOOK

Date	Name of the customer (Account to be debited)	Invoice No.	Details Rs.	Total Rs.
Sep 01	AMIT TRADERS	4321		
	20 Pocket Radio @Rs 700 per radio		14,000	
	20 T.V Sets @ Rs 15,000 per T.V		3,00,000	3,14,000
07	HANDA ELECTRONICS			
	10 Mixer Juicer @ Rs 8,000 each	4351	80,000	
	Less- Trade Discount@10%		(8,000)	72,000
	Sales A/c Cr.			3,86,000

1.5 marks for each

27.

JOURNAL

Date	Particulars	L.F	Debit (Rs.)	Credit (Rs.)
1.	Mahesh Dr.		1,000	
	Suspense A/c Dr.		3,000	
	To Mohit			4,000
	(Cash received from Mohit Rs.4,000 wrongly posted to Mahesh as Rs.1,000 now rectified)			
2.	Purchase A/c Dr.		6,000	
	To Suspense A/c			6,000
	(Good sold at trade discount)			
3.	Repairs A/c Dr.		1,600	
	To Machinery A/c			1,600
	(Repairs on machinery Rs.1,600 was wrongly debited to machinery A/c)			

1 mark

1 mark

1 mark

OR

i. **Error of principles:-** Error of principles refers such errors arise when the entries are not recorded according to the fundamental principles of accountancy, e.g., wrong allocation of expenditure between capital and revenue, ignoring the outstanding assets and liabilities, valuation of assets against the principles of book-keeping. For example:- Expenses

1.5 marks

		Paid for Installation of Machinery Debited to Expenses Account- In this transaction, expenses paid for the installation of machinery which is a capital expenditure and should be debited to machinery account has been treated as revenue expenditure and wrongly debited sundry expenses account. This error violates the accounting principle. सिद्धान्त की त्रुटियां- सिद्धांत की त्रुटि का अर्थ है ऐसी त्रुटियां उत्पन्न होना हैं जब प्रविष्टियां लेखांकन के मौलिक सिद्धांतों के अनुसार दर्ज नहीं की जाती हैं, उदाहरण के लिए, पूंजी और आयगत के बीच व्यय का गलत आवंटन, बकाया संपत्ति और देनदारियों की अनदेखी, खाताबही के सिद्धांतों के विरुद्ध संपत्ति का मूल्यांकन । उदाहरण के लिए:- मशीनरी की स्थापना के लिए भुगतान किया गया व्यय, व्यय खाते में डेबिट किया गया- इस लेनदेन में, मशीनरी की स्थापना के लिए भुगतान किया गया व्यय जो पूंजीगत व्यय है और जिसे मशीनरी खाते में डेबिट किया जाना चाहिए, को आयगत व्यय के रूप में माना गया है और गलत तरीके से विविध व्यय खाते में डेबिट किया गया है। यह त्रुटि लेखांकन सिद्धांत का उल्लंघन करती है।	
	ii.	**Errors of commission:-** Errors of commission is one of the types of errors in accounting or in other words, accounting errors. It is caused when an accountant or the bookkeeper makes a debit or credit correctly in the account but in the wrong subsidiary books. Errors of commission is a type of clerical error that happens when a mistake is committed by the clerk in recording of transactions in the book of accounts. The errors of commission are basically errors in arithmetical accuracy. The following scenarios can lead to errors of commission: 1. Recording of wrong amount in the correct subsidiary books. 2. Recording of correct amount in the wrong subsidiary book. 3. Incorrect totaling of the subsidiary books. 4. Incorrect totaling of the ledger balances. आयोग की त्रुटियां:- आयोग की त्रुटियां लेखांकन में या दूसरे शब्दों में, लेखांकन त्रुटियों में से एक प्रकार की त्रुटियां हैं। यह तब होता है जब एक लेखाकार या बहीखाताकर्ता खाते में सही ढंग से डेबिट या क्रेडिट करता है लेकिन गलत सहायक पुस्तकों में। आयोग की त्रुटियां एक प्रकार की लिपिकीय त्रुटि है जो तब होती है जब लेखा पुस्तकों में लेन-देन की रिकॉर्डिंग में क्लर्क द्वारा गलती की जाती है। कमीशन की त्रुटियां मूल रूप से अंकगणितीय सटीकता में त्रुटियां हैं। निम्नलिखित परिदृश्यों से आयोग की त्रुटियां हो सकती हैं:	1.5 marks

	1. सही सहायक पुस्तकों में गलत राशि दर्ज करना 2. गलत सहायक बही में सही राशि दर्ज करना 3. सहायक पुस्तकों का गलत जोड़ 4. बहीखाता शेष का गलत जोड़	
28.	Machinery A/c	1 mark 2 marks 2 marks

Date	Particulars	Amount	Date	Particulars	Amount
2018 April 01	To Bank A/c	1,20,000	2019 31st March	By Depreciation A/c By Balance c/d	18,000 1,02,000
		1,20,000			1,20,000
2019 01 April	To Balance c/d	1,02,000	2020 31st March	By Depreciation A/c I 15,300 II 1,500	16,800
30 Sept	To Bank A/c	20,000	31st March	By Balance c/d I 86,700 II 18,500	1,05,200
		1,22,000			1,22,000
2020 01 April	To Balance c/d I 86,700 II 18,500	1,05,200	2020 30 June	By Dep. A/C By Bank By Profit & Loss A/c	136 500 2,976 16,138
30th June	To Bank A/c	8,000	2021 31st March	By Dep. A/c I 12,463 II 2,775 III 900 By Balance c/d I 70,625 II 15,725 III 7,100	93,450
		1,13,200			1,13,200

OR

Differences between Straight line method and Written down value method(any four):-

BASIS FOR COMPARISON	SLM	WDV
Meaning	A method of depreciation in which the cost of the asset is spread uniformly over the life years by writing off a fixed amount every year.	A method of depreciation in which a fixed rate of depreciation is charged on the book value of the asset, over its useful life.
Calculation of depreciation	On the original cost	On the written down value of the asset.
Annual depreciation charge	Remains fixed during the useful life.	Reduces every year
Value of asset	Completely written off	Not completely written off
Amount of depreciation	Initially lower	Initially higher
Impact of repairs and depreciation on P&L A/c	Increasing trend	Remains constant
Appropriate for	Assets with negligible repairs and maintenance like leases, copyright.	Assets whose repairs increase, as they get older like machinery, vehicles etc.
अर्थ	मतलब मूल्यह्रास की एक विधि जिसमें संपत्ति की लागत हर साल एक निश्चित राशि को अपलिखित करके जीवन के वर्षों में समान रूप से फैलाई जाती है। मूल्यह्रास की एक विधि जिसमें मूल्यह्रास की एक निश्चित दर को संपत्ति के बुक वैल्यू पर उसके उपयोगी जीवन पर लगाया जाता है।	मूल्यह्रास की एक विधि जिसमें मूल्यह्रास की एक निश्चित दर को संपत्ति के बुक वैल्यू पर उसके उपयोगी जीवन पर लगाया जाता है।
मूल्यह्रास की गणना	मूल लागत पर	संपत्ति के लिखित मूल्य पर।
वार्षिक मूल्यह्रास	उपयोगी जीवन के दौरान स्थिर रहता है।	प्रतिवर्ष घटता रहता है।
सम्पत्ति का मूल्य	पूरी तरह से अपलिखित	पूरी तरह से अपलिखित नही

1 mark per point

मूल्यह्रास की राशि	प्रारम्भ में काम	प्रारम्भ में ज्यादा
लाभ-हानि खाते पर मरम्मत और मूल्यह्रास का प्रभाव	प्रतिवर्ष असमान, अंतिम वर्ष में बढ़ता है।	प्रतिवर्ष लगभग समान
उपयोगिता	पट्टे, कॉपीराइट जैसे नगण्य मरम्मत और रखरखाव वाली संपत्ति।	ऐसी सम्पतियां जिनके पुराना होने पर उनकी मरम्मत लागत बढ़ती जाती है, जैसे मशीनरी, वाहन आदि।

29.

Cashbook A/c

Date	Particulars	Cash	Bank	Date	Particulars	Cash	Bank
2022 Sept 01	To Balance b/d	7,500		2022 Sept 01	By Balance b/d		3,500
05	To Sales A/c	7,000		03	By Wages A/c	200	
10	To Cash A/c (Contra)		4,000	10	By Bank A/c(contra)	4,000	
30	**To Balance c/d**		**1,900**	20	By purchase A/c		2,000
				25	By Drawing A/c	1,000	400
				30	By Salary A/c		
				30	**By Balance c/d**	**9,300**	
		14,500	**5,900**			**14,500**	**5,900**

1 marks for closing balance And ½ Marks for every other entry

OR

Cash book:- Cash book is a special type of book that is only concerned with the recording of cash transactions of an organisation. It performs the dual role of both journal and a ledger for all the cash transactions taking place in a business organisation.

2 marks

A cash book records all the cash receipts on the debit side and all the cash payments of the organisation on the credit side.

Types of Cashbook:- There are three types of cash books used for accounting purposes. Let us have a look at the types of cash books.

1.Single column cash book

2.Double column cash book

3. Petty cash book

	Single column cash book: Single column cash book is also called a simple cash book. It presents entries for cash received (receipts) on the left side or debit side and cash payments on the right hand side or credit side. The bank transactions and the discounts that are given for transactions will be featured in separate ledger accounts in case of single-column cash books. Cash books are updated on a daily basis in some business firms. The most striking feature of a cash book is that it can never have a credit balance. It should always show a debit balance. **Double Column cash book**: In a double column cash book, there is an additional column that is reserved for the Bank transactions. Therefore, in a double-column cash book, also known as two-column cash book, the cash receipts and transactions are recorded in one column while the second column records received from bank and paid to banks. The cash column is used to record all cash transactions and works as a cash account, whereas, bank column is used to record all receipts and payments made by cheques, and works like a bank account. Both the columns are totaled and balanced like a traditional T-account at the end of the respective accounting period. **Petty cash book**: Petty cash book, as the name suggests, is for very small transactions that take place in an organisation. Such transactions can occur in a day and are repetitive in nature, which can put undue load on the general cash book. For this reason, it is maintained separately. Examples of such transactions are: stationery, postage, food bills, etc. रोकड़ बही:- रोकड़ बही एक विशेष प्रकार की बही है जो केवल किसी संगठन के नकद लेनदेन की रिकॉर्डिंग से संबंधित है। यह एक व्यावसायिक संगठन में होने वाले सभी नकद लेनदेन के लिए जर्नल और लेजर दोनों की दोहरी भूमिका निभाता है। एक रोकड़ बही डेबिट पक्ष में सभी नकद प्राप्तियों और क्रेडिट पक्ष पर संगठन के सभी नकद भुगतानों को दर्ज करती है। रोकड़ बही के प्रकार:- लेखांकन उद्देश्यों के लिए तीन प्रकार की रोकड़ बही का उपयोग किया जाता है। आइए कैश बुक के प्रकारों पर एक नजर डालते हैं। 1. एक कॉलम रोकड़ बही 2. दओ कॉलम रोकड़ बही 3. लघु रोकड़ बही एक कॉलम रोकड़ बही: एक कॉलम रोकड़ बही को सिंपल रोकड़ बही भी कहा जाता है। यह बाईं ओर या डेबिट पक्ष में नकद प्राप्त (रसीदें) और दाईं ओर या क्रेडिट पक्ष पर नकद भुगतान के लिए प्रविष्टियां प्रस्तुत करता है।	1 mark 1 mark 1 mark

	बैंक लेन-देन और लेन-देन के लिए दी जाने वाली छूट एकल-स्तंभ नकद पुस्तकों के मामले में अलग-अलग खाता बही में प्रदर्शित की जाएगी। कुछ व्यावसायिक फर्मों में रोकड़ बही दैनिक आधार पर अद्यतन की जाती हैं। रोकड़ बही की सबसे खास बात यह है कि इसमें कभी भी क्रेडिट शेष नहीं हो सकता है। इसे हमेशा डेबिट शेष दिखाना चाहिए। दओ कॉलम रोकड़ बही: दो कॉलम रोकड़ बही में, एक अतिरिक्त कॉलम होता है जो बैंक लेनदेन के लिए आरक्षित होता है। इसलिए, एक दो-कॉलम रोकड़ बही में, जिसे द्वि-कॉलम रोकड़ बही के रूप में भी जाना जाता है, नकद प्राप्तियां और लेनदेन एक कॉलम में दर्ज किए जाते हैं, जबकि दूसरे कॉलम में बैंक से प्राप्त रिकॉर्ड और बैंकों को भुगतान किया जाता है। रोकड़ कॉलम का उपयोग सभी नकद लेनदेन को रिकॉर्ड करने के लिए किया जाता है और यह रोकड़ खाते के रूप में काम करता है, जबकि बैंक कॉलम का उपयोग चेक द्वारा की गई सभी प्राप्तियों और भुगतानों को रिकॉर्ड करने के लिए किया जाता है, और बैंक अकाउंट की तरह काम करता है। संबंधित लेखा अवधि के अंत में दोनों कॉलम पारंपरिक टी-आकार खाते की तरह जोड़े और संतुलित किए जाते हैं। लघु रोकड़ बही : लघु रोकड़ बही, जैसा कि नाम से पता चलता है, एक संगठन में होने वाले बहुत छोटे लेनदेन के लिए है। ऐसे लेन-देन एक दिन में हो सकते हैं और प्रकृति में दोहराव वाले होते हैं, जो सामान्य रोकड़ बही पर अनुचित भार डाल सकते हैं। इस कारण इसे अलग से बनाया किया जाता है। ऐसे लेन-देन के उदाहरण हैं: स्टेशनरी, डाक खर्च, भोजन बिल आदि।	
30.	**Profit and loss (P&L):-** Profit and loss (P&L) statement refers to a financial statement that summarizes the revenues, costs, and expenses incurred during a specified period, usually a quarter or fiscal year. These records provide information about a company's ability or inability to generate profit by increasing revenue, reducing costs, or both. P&L statements are often presented on a cash or accrual basis. Company managers and investors use P&L statements to analyze the financial health of a company. **Importance:- (with explanation)** 1. To find net profit. 2. To find total expenses. 3. To find the ratio between net profit and sales.	1 mark (1 x 4 mark)

4. Helps in reducing indirect expenses.

लाभ और हानि (P&L): - लाभ और हानि (P&L) विवरण एक वित्तीय विवरण को संदर्भित करता है जो एक निर्दिष्ट अवधि के दौरान आमतौर पर एक तिमाही या वित्तीय वर्ष में किए गए आगम, लागत और व्यय का सारांश देता है। ये रिकॉर्ड किसी कंपनी की आगम बढ़ाने, लागत कम करने, या दोनों के द्वारा लाभ उत्पन्न करने की क्षमता या अक्षमता के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं। P&L विवरण अक्सर नकद या उपार्जन आधार पर प्रस्तुत किए जाते हैं। कंपनी के प्रबंधक और निवेशक किसी कंपनी के वित्तीय स्वास्थ्य का विश्लेषण करने के लिए P&L विवरण का उपयोग करते हैं।

1 mark

महत्व:- (व्याख्या सहित)

1. शुद्ध लाभ ज्ञात करना।
2. कुल व्यय ज्ञात करना।
3. शुद्ध लाभ और बिक्री के बीच का अनुपात ज्ञात करना।
4. अप्रत्यक्ष खर्चों को कम करने में मदद करता है।

(1X4 marks)

OR

Trading A/c and Profit & Loss A/C
For the Year ended March31,2011

Dr **Cr**

Particulars	Amount(Rs)	Particulars	Amount(Rs)
Opening stock	60,220	Sales 2,81,500	
Purchases 1,99,080		Less:- Returns (1,870)	2,79,630
Less: returns (1,450)	1,97,630	Closing stock	70,000
Carriage	5,170		
Gross profit c/d	86,610		
	3,49,630		3,49,630
Discount allowed	3,960	Gross profit b/d	86,610
Bank charges	100	Discount received	2,980
Salaries	6,420		
Rent & taxes	7,680		
General expenses	3,630		
Insurance 750			
Less:- Prepaid Insurance 50	700		
Bad debts 1,250			

1 Mark

2 Marks

	Add: New provision For bad debts 8,274 Less:- Old provision for bad debts 4,650 Net profit (transferred to capital A/c)	4,874 62,226			
		89,590		89,590	

Balance sheet as at March 31, 2011

Liabilities	Amount	Assets	Amount	
Creditors	18,670	Cash	13,870	2 Marks
Loan	15,000	Book debts 82,740		
Capital 1,50,000		Less:- reserve for bad		
Add:- net profit 62,226		debts 8,274	74,466	
Less:- drawings 6,300	2,05,926	Bills receivable	1,860	
		Land and building	42,580	
		Furniture	5,130	
		Plant & machinery	31,640	
		Insurance (prepaid)	50	
		Closing stock	70,000	
	2,39,596		2,39,596	